Bihar Board Class 8 Hindi Solutions Chapter 6 बिहारी के दोहे

प्रश्न 1.
उन पदों को लिखिए जिनमें निम्न बातें कही गई हैं।

(क) बाह्याडंबर व्यर्थ है।
उत्तर:
जप माला छापै तिलक ..... साँचे राँचै रामु ।।

(ख) नम्रता का पालन करने से ही मनुष्य श्रेष्ठ बनता है।
उत्तर:
नर की अरू नल नीर ..... ऊँचो होय ।।

(ग) बिना गुण के कोई बड़ा नहीं होता।
उत्तर:
बड़े न हूजे गुनन ..... गहनो गढ्यो न जाय ।।

(घ) सुख-दुःख समान रूप से स्वीकारना चाहिए।
उत्तर:
दीरघ साँस न लेहु ..... दई सु कबुली ।।

प्रश्न 2.
दुर्जन का साथ रहने से अच्छी बुद्धि नहीं मिल सकती। इसकी उपमा में कवि ने क्या कहा है ?
उत्तर:
दुर्जन की संगति पाकर या सत्संगति के अभाव में मनुष्य को अच्छी बुद्धि नहीं मिल सकती है इसके लिए उपमा देते हुए कवि ने कहा है कि हींग को कपुर में डाल देने से उसमें कपुर की सुगन्ध नहीं आ सकती है।

पाठ से आगे

प्रश्न 1.
गुण नाम से ज्यादा बड़ा होता है। कैसे?
उत्तर:
नाम से कोई गुणवान नहीं होता । जैसे-धतूरे को भी कनक कहा जाता है लेकिन उससे गहना नहीं बन सकता है।

प्रश्न 2.
“कनक” शब्द का प्रयोग किन-किन अर्थों में किया गया है ?
उत्तर:
“कनक” शब्द का प्रयोग दो अर्थो में किया गया है। कनक = सोना और कनक = धतूरा ।

व्याकरण

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 1.
पर्यायवाची शब्द लिखिए।
उत्तर:

1. भव = संसार
2. नर = मनुष्य
3. बाधा = विघ्न, दुख।
4. तन = शरीर
5. नीर = जल
6. कनक = सोना

प्रश्न 2.
निम्नलिखित शब्दों के आधुनिक/खड़ी बोली रूप लिखिए। मी
उत्तर:

1. अरू = और
2. जेतो = जितना
3. तेतो = उतना
4. हरौ = हरण करो
5. वृथा = व्यर्थ
6. गुनन = गुण
7. बिनु = बिना

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/